भारत सरकार

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या5279

जिसका उत्तर 02अप्रैल, 2025 को दिया जाना है ।

12चैत्र, 1947 (शक)

डिजिटल साक्षरता में वृद्धि

5279. श्रीमती रचना बनर्जी:

क्या इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार की विशेषकर ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों, जहां इंटरनेट कनेक्टिविटी एक चुनौती है, में छात्रों के बीच डिजिटल साक्षरता बढ़ाने के लिए योजना का ब्यौरा क्या है;

(ख) सरकार द्वारा सभी छात्रों को उनकी सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि को ध्यान में रखे बिना ऑनलाइन शिक्षण संसाधनों तक समान पहुंच सुनिश्चित किए जाने हेतु डिजिटल डिवाइड का समाधान किस प्रकार किया जा रहा है;

(ग) सरकार द्वारा कोविड-19 महामारी जैसी आपात स्थितियों के दौरान छात्रों के लिए दूरस्थ शिक्षा समाधान प्रदान करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं और ऐसे मॉडलों को अधिक संधारणीय कैसे बनाया जा सकता है;

(घ) सरकार विद्यालयों में पारंपरिक शिक्षण विधियों के पूरक के रूप में एड-टेक कंपनियों और प्लेटफॉर्मों के उपयोग को किस प्रकार बढ़ावा दे रही है; और

(ङ) विद्यालयों में डिजिटल शिक्षण उपकरणों और प्लेटफॉर्मों के बढ़ते उपयोग में डेटा सुरक्षा और छात्रों की गोपनीयता की संरक्षा के लिए क्या नीतियां कार्यान्वित की गई हैं?

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (श्री जितिन प्रसाद)

(क) से **(ख):** भारत सरकार ने ग्रामीण भारत सहित सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के नागरिकों में डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं/कार्यक्रम शुरू किए हैं, जैसे कि :

i. **राष्ट्रीय डिजिटल साक्षरता मिशन (एनडीएलएम)** - 2014-2016 की अवधि के दौरान 10,38,851 लोगों को प्रशिक्षित किया गया।
ii. **डिजिटल साक्षरता अभियान (दिशा)** - 2014-2016 की अवधि के दौरान 77,70,005 (प्रत्येक पात्र परिवार से एक व्यक्ति) को प्रशिक्षित किया गया, जिसमें क्षेत्रीय स्तर के सरकारी अधिकारी अर्थात् आंगनवाड़ी और आशा कार्यकर्ता और अधिकृत राशन डीलर शामिल थे।
iii. **प्रधान मंत्री ग्रामीण डिजिटल साक्षरता अभियान (पीएमजीदिशा)** - 2017-2024 के दौरान 6.39 करोड़ नागरिकों (प्रति परिवार एक व्यक्ति) को प्रशिक्षित किया गया। यह योजना 31.03.2024 को समाप्त हो गई है।
iv. **राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट)** डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रमों जैसे कम्प्यूटर कॉनसेप्ट में जागरूकता (एसीसी), बेसिक कम्प्यूटर कोर्स (बीसीसी), कम्प्यूटर अवधारणा पर पाठ्यक्रम (सीसीसी) और विशेषज्ञ कम्प्यूटर कोर्स (ईसीसी) आदि पर प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है।

(ग)से**(घ):** पारंपरिक शिक्षण विधियों के पूरक के रूप में स्कूलों में एड-टेक कंपनियों और प्लेटफार्मों के उपयोग सहित विभिन्न दूरस्थ शिक्षा समाधान/मॉडल और शिक्षण विधियां शुरू की गई हैं:

i. पीएम ईविद्या नामक एक व्यापक पहलकी मई 2020 में आत्मनिर्भर भारत अभियान के हिस्से के रूप में देश भर में शिक्षा तक बहु-मोड पहुँच को सक्षम करने के लिए शुरुआत की गई थी। पीएम ई-विद्या

पहल को राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) के सहयोग से लागू किया गया है। पीएम ई-विद्या के प्रमुख घटक डिजिटल साक्षरता को बढ़ाने की दिशा में भी संरेखित हैं और इसमें शामिल हैं:

- डीटीएच टीवी चैनल: 12 डीटीएच चैनलों को 200 पीएम ईविद्या डीटीएच टीवी चैनलों तक विस्तारित किया गया है ताकि सभी राज्य/केंद्र शासित प्रदेश कक्षा 1-12 सहित विभिन्न भारतीय भाषाओं में पूरक शिक्षा प्रदान कर सकें। ग्रामीण क्षेत्रों में छात्रों और शिक्षकों की डिजिटल साक्षरता बढ़ाने के लिए एनसीईआरटी द्वारा डीटीएच चैनलों और यूट्यूब पर प्रतिदिन डिजिटल साक्षरता पर एक घंटे की सामग्री प्रसारित की जाती है।
- ज्ञान साझाकरण के लिए डिजिटल अवसंरचना **(**दीक्षा), राष्ट्र की डिजिटल अवसंरचना, राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में स्कूली शिक्षा के लिए गुणवत्तापूर्ण ई-सामग्री और सभी ग्रेडों के लिए क्यूआर कोडित एनर्जाइज्ड पाठ्यपुस्तकें (एक राष्ट्र, एक डिजिटल प्लेटफॉर्म) उपलब्ध करा रही है।कुल मिलाकर,दीक्षा पर छात्रों, शिक्षकों और अन्य हितधारकों द्वारा 560.09 करोड़ शिक्षण सत्र पूरे किए गए हैं।इसके अलावा, दीक्षा प्लेटफॉर्म पर कक्षा XI और कक्षा XII के लिए कंप्यूटर विज्ञान के पाठ्यक्रमों में डिजिटल साक्षरता घटक शामिल हैं। महत्वपूर्ण आलोचनात्मक सोच कौशल को बढ़ावा देने और रचनात्मकता के लिए जगह देने के लिएदीक्षा प्लेटफॉर्म पर वर्चुअल लैब्स पर एक वर्टिकल बनाया गया है।एड-टेक कंपनियां दीक्षा प्लेटफॉर्म का लाभ उठा सकती हैं और विद्यादान सुविधा के माध्यम से अपनी सामग्री साझा कर सकती हैं।

ii. ओलैब्स नेक्स्टजी (ओलैब्स नेक्स्ट जनरेशन): "ओलैब्स नेक्स्टजी: स्कूलों के लिए अगली पीढ़ी के ऑनलाइन लैब्स (ओलैब्स)" को सीडैक, मुंबई द्वारा 173 प्रयोगशालाओं - भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीवविज्ञान और गणित तक पहुंच के लिए कार्यान्वित किया जा रहा है और यह क्षेत्रीय भाषाओं हिंदी, मराठी, मलयालम आदि में उपलब्ध है।
iii. फ्यूचरस्किल्स प्राइम- एमईआईटीवाई ने 2019 में नेशनल एसोसिएशन ऑफ सॉफ्टवेयर एंड सर्विस कंपनीज (नैसकॉम) के साथ संयुक्त रूप से "फ्यूचरस्किल्स प्राइम" नामक एक कार्यक्रम शुरू किया है, जिसका उद्देश्य नए/उभरती प्रौद्योगिकियों में उम्मीदवारों को फिर से कौशल प्रदान करना/अप-स्किलिंग करना है।
iv. युवआई- एआई के साथ उन्नति और विकास के लिए युवा: "युवआई: एआई के साथ उन्नति और विकास के लिए युवा"- स्कूली छात्रों के लिए एक राष्ट्रीय कार्यक्रम जिसका उद्देश्य कक्षा 8वीं से 12वीं तक के स्कूली छात्रों को समावेशी तरीके से एआई तकनीक और सामाजिक कौशल से सक्षम बनाना है। यह कार्यक्रम युवाओं को 8 विषयगत क्षेत्रों- कृषि, आरोग्य, शिक्षा, पर्यावरण, परिवहन, ग्रामीण विकास, स्मार्ट सिटी और विधि और न्याय में एआई कौशल सीखने और लागू करने के लिए एक मंच प्रदान करता है।
v. नाइलिट, नाइलिट वर्चुअल अकादमी के माध्यम से ऑनलाइन प्रशिक्षण प्रदान करता है,जो लचीलापन और पहुंच प्रदान करता है, जिससे शिक्षार्थियों को किसी भी स्थान से अपनी गति से अध्ययन करने की सुविधा मिलती है और इस प्रकार एक समतापूर्ण वातावरण का विस्तार होता है जिससे विविध पृष्ठभूमि के शिक्षार्थियों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक समावेशी पहुंच सुनिश्चित होती है।

(ङ):शिक्षा मंत्रालय ने एनसीईआरटी के माध्यम से प्राज्ञता दिशा-निर्देश विकसित किए हैं, जिन्हें भारत सरकार ने 14 जुलाई 2020 को प्रकाशित किया था। प्राज्ञता दिशा-निर्देश माता-पिता को अपने बच्चों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ने और उनकी शारीरिक और मानसिक भलाई की निगरानी करने, डिजिटल शिक्षा के दौरान चिंता, अवसाद या क्रोध के संकेतों पर नज़र रखने और गुप्त ऑनलाइन व्यवहार के प्रति चौकस रहने की सलाह देते हैं। इंटरनेट के उपयोग के बारे में खुला संचार, स्वच्छता/स्वस्थ जीवन शैली प्रथाओं (डिजिटल संसाधनों का उपयोग करके) पर निर्देश, और ऑफ़लाइन खेल और शारीरिक गतिविधियों के साथ ऑनलाइन समय का संतुलन आवश्यक है। इसके अतिरिक्त, एनसीईआरटी साइबर सुरक्षा ज्ञान को बढ़ाने और प्रतिभागियों के बीच जिम्मेदार डिजिटल जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन की गई व्यापक कार्यशालाएँ और वेबिनार आयोजित करता है।

****